तापमान

भोपाल	23.0°	35.0°
इंदौर	24.0°	35.0°
जबलपुर	27.0°	37.0°
ग्वालियर	31.0°	40.0 °
सागर	24.0°	36.0 °

नईदुनिया

वर्ष- 80
(भोपाल: वर्ष 41 अंक 207, पृष्ठ 12)
ज्येष्ठ, शुक्ल द्वादशी संवत् 2083
शुक्रवार, 26 जून 2026
कीमत: 3:00 रुपये

www.naiduniaonline.com | भोपाल संस्करण | भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

राजधानी... राहुल ने खेद जताया है तो याचिका निरस्त की जाए...

खेल... यूएस ओपन बैडमिंटन: तन्वी शर्मा और किदांबी श्रीकांत ...

व्यापार... सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के ...

देश-विदेश...यूक्रेन में भारत की पीसकीपिंग फोर्स लगाने का...

वेनेजुएला में भूकंप : भारी तबाही, सैकड़ों इमारतें ढहीं, हजारों प्रभावित

188 की मौत, 1520 घायल

▸▸ **7.2 और 7.5 तीव्रता के 39 सेकंड में दो भीषण भूकंप, 60 सेकंड तक कांपता रहा शहर**

कराकस (वेनेजुएला), एजेंसी: दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में 39 सेकेंड के भीतर आए दो शक्तिशाली भूकंपों ने भारी तबाही मचा दी। बुधवार शाम स्थानीय समयानुसार पहले 6 बजकर 4 मिनट पर 7.2 तीव्रता और इसके 39 सेकंड बाद 6 बजकर 5 मिनट पर 7.5 तीव्रता का दूसरा भूकंप दर्ज किया गया। भारत में उस समय गुरुवार तड़के 3 बजकर 34 मिनट और 3 बजकर 35 मिनट का समय था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भूकंप के बाद लगभग 60 सेकंड तक धरती कांपती रही। इसके बाद 20 बार झटके भी दर्ज किए गए। अब तक 188 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 1520 लोग घायल हुए हैं। दोनों भूकंप ऐसे समय आए, जब देश में राष्ट्रीय अवकाश था। वर्ष 1821 में स्पेन के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम में मिली ऐतिहासिक विजय की वर्षगांठ के कारण विद्यालय और कार्यालय बंद थे तथा अधिकांश लोग अपने घरों में मौजूद थे।

10 हजार लोगों की मौत की आशंका: अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के अनुसार इस भूकंप में 10 हजार से अधिक लोगों की मृत्यु होने की 44 प्रतिशत आशंका व्यक्त की गई है, जबकि एक लाख लोगों के मारे जाने की संभावना 30 प्रतिशत बताई गई है। दोनों भूकंपों का केंद्र राजधानी कराकस से लगभग 290 किलोमीटर पश्चिम में था। झटकों के कारण कई शहरों में इमारतें ढह गईं या गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गईं। कराकस हवाई अड्डे की छत का एक हिस्सा भी गिर गया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। राजधानी के निकट ला ग्वाइरा सहित कई क्षेत्रों में बहुमंजिला इमारतें मलबे में तब्दील हो गईं और कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।

यह वेनेजुएला में पिछले 126 वर्षों का सबसे बड़ा भूकंप बताया जा रहा है। इससे पहले वर्ष 1900 में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था। घटना के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर दी है। ला ग्वाइरा शहर पहले भी वर्ष 1999 में भीषण भूस्खलन की त्रासदी झेल चुका है। उस समय मूसलाधार वर्षा के बाद हुए भूस्खलन में कम से कम 15 हजार लोगों की जान गई थी। इस बार भी सबसे अधिक तबाही यही देखने को मिली है। राहत एवं बचाव दल प्रभावित इलाकों में लगातार अभियान चला रहे हैं।

श्रीराममंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में एफआईआर

▸▸ **ट्रस्ट ने विशेष जांच दल की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर आठ लोगों को बनाया आरोपी**

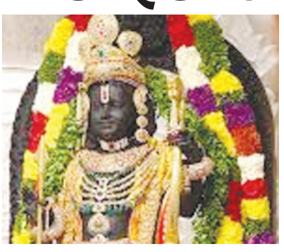

नईदुनिया ब्यूरो, अयोध्या: राममंदिर चढ़ावा प्रकरण में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने गुरुवार को प्राथमिकी दर्ज कराई है। ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन ने विशेष जांच दल की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण दर्ज कराया। प्राथमिकी में रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू, अनुकल्प मिश्रा, अविनाश शुक्ला, मनीष यादव, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष और करुणेश सहित आठ लोगों को आरोपी बनाया गया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि प्राथमिकी में चंपत राय का नाम शामिल है या नहीं। विशेष जांच दल का गठन 13 जून को किया गया था। दल ने 23 जून को अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपी थी। इससे पहले सूत्रों के हवाले से जानकारी सामने आई थी कि जांच रिपोर्ट में चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और निर्माण प्रभारी गोपाल राव सहित 17 लोगों को आरोपी माना गया है। इस बीच चंपत राय के इस्तीफे की चर्चा भी सामने आई, जिसे मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव ने खारिज कर दिया। जांच के दौरान दानपात्रों की चाबियां रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू के पास मिलने का भी उल्लेख किया गया है। साथ ही विशेष जांच दल ने ऐसे लगभग 150 सेवादारों और कर्मचारियों की पहचान की है, जिनकी आर्थिक स्थिति में वर्ष 2024 में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद बदलाव आया।

भरत तिवारी मुठभेड़ मामले की न्यायिक जाँच शुरू

नईदुनिया ब्यूरो, भोजपुर: भरत तिवारी मुठभेड़े प्रकरण में न्यायिक जांच गुरुवार से शुरू हो गई। सेवानिवृत्त न्यायाधीश विनोद कुमार सिन्हा अपनी टीम के साथ बिलौटी गांव पहुंचे और भरत के परिजनों से मुलाकात कर घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार ने उच्चस्तरीय जांच आयोग का गठन किया है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। परिजनों ने न्यायाधीश से दोषियों को कठोर दंड देने तथा मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से जांच कराने की मांग की। यह प्रकरण 17 जून को हुई मुठभेड़ से जुड़ा है।

खास-खबरें

एक जुलाई से पासपोर्ट बनवाना होगा महँगा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने एक जुलाई 2026 से पासपोर्ट बनवाने और पुनः जारी कराने के शुल्क में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। संशोधित दरों के अनुसार 36 पृष्ठ वाले सामान्य पासपोर्ट का शुल्क 1,500 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये तथा तत्काल श्रेणी का शुल्क 3,500 रुपये से बढ़ाकर 5,000 रुपये कर दिया गया है। वहीं 60 पृष्ठ वाले सामान्य पासपोर्ट का शुल्क 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,500 रुपये और तत्काल श्रेणी का शुल्क 4,000 रुपये से बढ़ाकर 6,000 रुपये होगा। केंद्र सरकार ने पासपोर्ट नियम, 1980 में संशोधन के बाद नई दरों की राजपत्र अधिसूचना जारी कर दी है। यह वृद्धि 14 वर्ष बाद की गई है।

गोदाम हादसे में मृतकों की संख्या 11 पहुंची

नईदुनिया ब्यूरो, कोलकाता: दक्षिण कोलकाता के तारातला स्थित निर्माणाधीन गोदाम में हुए हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। गुरुवार को मलबे से छह और शव निकाले गए। अब तक कुल 30 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। इनमें दो घायलों का उपचार गहन चिकित्सा कक्ष में चल रहा है, जबकि 18 लोगों की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल व अन्य एजेंसियां राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हैं।

बुजुर्गों और असहायों का सम्मान करना हमारा धर्म: डॉ. यादव

सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 203 करोड़ रुपये हितग्राहियों के खातों में अंतरित

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बुजुर्गों, असहायों और समाज के सबसे कमजोर वर्ग का सम्मान करना हमारी संस्कृति और धर्म का हिस्सा है। राज्य सरकार प्रत्येक नागरिक के सम्मान और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है तथा कोई भी निर्धन परिवार, वृद्धजन, माताएं, बहनें या दिव्यांग स्वयं को बेसहारा न समझें।

मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में आयोजित सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरण कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से 33 लाख 92 हजार 695 हितग्राहियों के खातों में मई माह की 203 करोड़ 56 लाख रुपये की पेंशन राशि अंतरित की। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों के हितग्राही आभासी माध्यम से जुड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सरकार की ओर से सम्मान, स्नेह और सुरक्षा का वचन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अंत्योदय का संकल्प साकार हो रहा है और राज्य सरकार भी गरीब, वंचित तथा कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा तथा ऋण चुकाने के लिए एक वर्ष की अवधि मिलेगी।

बांग्लादेशी नागरिकों के लिए पर्यटक वीजा सेवा दो वर्ष बाद फिर शुरू

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारत ने बांग्लादेशी नागरिकों के लिए पर्यटक वीजा सेवा दो वर्ष बाद पुनः शुरू करने की घोषणा की है। भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने बताया कि 28 जून से ढाका, राजशाही, चिटगांव, सिलहट और खुलना स्थित पांच भारतीय वीजा आवेदन केंद्रों पर पर्यटक वीजा के आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। चिकित्सा वीजा तथा मानवीय आधार पर आवश्यक मामलों के लिए व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी।

भारत-आयरलैंड के बीच होने वाले मैच शाम 6 बजे शुरू होंगे

बेलफास्ट, एजेंसी: भारत और आयरलैंड के बीच 26 और 28 जून को होने वाली टी-20 श्रृंखला के दोनों मुकाबलों का समय बदल दिया गया है। अब दोनों मैच शाम सात बजे के स्थान पर शाम छह बजे से खेले जाएंगे। समय में बदलाव का कारण महिला टी-20 विश्व कप के मुकाबलों से कार्यक्रम का टकराव बताया गया है। 28 जून को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला टी-20 विश्व कप का मुकाबला भी शाम सात बजे खेला जाएगा।

बदलाव | भारतीय लोकतंत्र की चुनौतियों और चुनाव प्रक्रिया पर भी विशेष सामग्री जोड़ी...

नौवीं में शामिल हुआ आपातकाल का अध्याय

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने पहली बार कक्षा नौ की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में वर्ष 1975 से 1977 के आपातकाल पर अलग से अध्याय शामिल किया है। नई पुस्तक 'अंडरस्टैंडिंग सोसायटी : इंडिया एंड बियॉन्ड' में आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र के सामने आई सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया गया है। परिषद के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि कक्षा नौ की पुस्तक में पहली बार इस विषय पर पृथक अनुभाग जोड़ा गया है। इसके साथ ही 'इलेक्शंस' अध्याय में भारत निर्वाचन आयोग की भूमिका का भी उल्लेख किया गया है।

पुस्तक में कहा गया है कि वर्ष 1970 के दशक की शुरुआत में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार के विरुद्ध लोगों में असंतोष बढ़ रहा था। बेरोजगारी, महंगाई और कुप्रबंधन के आरोपों के कारण अनेक स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए। इसके बाद जून 1975 में आंतरिक अशांति के आधार पर राष्ट्रीय आपातकाल लागू किया गया।

पुस्तक के अनुसार, इस अवधि में अधिकांश मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए, प्रेस पर सेंसरशिप लागू हुई तथा अनेक राजनीतिक नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। इसमें उल्लेख है कि इस दौर में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव बढ़ा और नागरिकों की स्वतंत्रता सीमित हो गई।

पुस्तक में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के आंदोलन का भी विस्तार से उल्लेख किया गया है। इसमें बताया गया है कि उन्होंने छात्रों और आम नागरिकों को संगठित किया, जिसके परिणामस्वरूप बिहार और गुजरात में बड़े जन आंदोलन हुए। वर्ष 1977 में आपातकाल समाप्त होने के बाद हुए आम चुनाव में जनता ने मतदान के माध्यम से अपना निर्णय दिया और तत्कालीन सत्तारूढ़ सरकार पराजित हुई। इसे भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का उदाहरण बताया गया है।